इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *400

3 मई, 2012 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग की कार्य-दक्षता

*400. श्रीमती टी0 रत्नाबाई:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पात उद्योग की कार्य-दक्षता कम है और इसमें सुधार किये जाने की आवश्यकता है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस दिशा में अब तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) से (ग): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

'इस्पात उद्योग की कार्य-दक्षता' के बारे में श्रीमती टी0 रत्नाबाई, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 03.5.2012 को पूछे गए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. *400 (पोजीशन नं. 20वीं) के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): देश में फिनिश्ड इस्पात का बिक्री हेतु उत्पादन इस्पात की वास्तविक खपत की अपेक्षाकृत हमेशा अधिक रहा है। इस प्रकार, भारतीय इस्पात उद्योग का कार्यकरण सामान्यत: संतोषप्रद रहा है। तथापि, कुछ कतिपय इस्पात यूनिटों, जिन्हें दशकों पूर्व स्थापित किया गया था, में उनके उच्चीकरण/आधुनिकीकरण के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों को अपनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें अधिक कुशल और व्यवहार्य बनाया जा सके। हाल ही में इस्पात के सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के कार्यनिष्पादन में सुधार करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय पैटर्न पर नए प्रौद्योगिकी-आर्थिकी बैंचमार्क तैयार किए गए हैं और इसके कार्यान्वयन को सतत आधार पर मानीटर किया जा रहा है। इस्पात उद्योग हेतु अनुसंधान एवं विकास के एक रोड मैप को अंतिम रूप देकर उसे अपनाया गया है जिसमें बेनीफिशिएशन, कोयला राख में कमी और देश में उच्च ग्रेड वाले मूल्यवर्धित इस्पात के उत्पादन को प्रोत्साहन प्रदान करने इत्यादि पर विशेष जोर दिया गया है। इस्पात निर्माण कंपनियां यथा सेल और आरआईएनएल दोनों ने वृहत स्तर पर विस्तार/आधुनिकीकरण कार्यक्रम आरंभ किया है जिसका उद्देश्य ऐसी आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाना है जो कम विद्युत खपत, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल हो। इसी प्रकार, भारतीय इस्पात उद्योग में अधिकांश ने इस्पात निर्माण की विद्यमान प्रक्रियाओं को और अधिक कुशल और उत्पादक बनाने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकियों को अपनाने की वचनबद्धता प्रकट की है।

****